कॉर्ड–11014/7/2019-समन्वय
भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
(समन्वय प्रभाग)
****

तृतीय तल, कौशल भवन,
न्यू मोती बाग, नई दिल्ली–110023
दिनांक: 25 जुलाई, 2024

कार्यालय ज्ञापन

विषय: एसडीई मंत्रालय से संबंधित मंत्रीमंडल के लिए मासिक सार– के संबंध में।

मुझे जून, 2024 के महत्वपूर्ण कार्यकलापों का मासिक सार सूचनार्थ अग्रेपित करने का निर्देश हुआ है।

संलग्नक: यथोक्त

(अखिलेश कुमार रॉय)
भारत सरकार के अवर सचिव

प्रति:

भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग

प्रतिलिपि सूचनार्थ:
मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली–110001

Scanned with OKEN Scanner

जून, 2024 माह के दौरान इस मंत्रालय की कुछ प्रमुख उपलब्धियां/पहलें इस प्रकार हैं:

1. 11 जून, 2024 को माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री जयन्त चौधरी ने कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) का पदभार ग्रहण किया।

2. **(क) प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के संचालन की समीक्षा:** माननीय मंत्री जी ने 18 जून, 2024 को डीजीटी के संचालन की व्यापक समीक्षा की और डीजीटी, इसकी स्कीमों और इसके संस्थानों के एक सत्र में भाग लिया। इनमें औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई), राष्ट्रीय अनुदेशात्मक मीडिया संस्थान (निमी) और केंद्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (सीएसटीएआरआई) शामिल हैं।

2.**(ख) राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के संचालन की समीक्षा:** माननीय मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) का दौरा किया और इसकी प्रचालनरत स्कीमों और पहलों की समीक्षा की। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने एनएसडीसी के कार्यक्रमों का विस्तृत अवलोकन किया और चर्चाओं में भाग लिया। उन्होंने एनएसडीसी अकादमी और एनएसडीसी इंटरनेशनल सहित विभिन्न एनएसडीसी वर्टिकल के संचालन को समझने के लिए सत्रों में भाग लिया, जिससे उनकी उपलब्धियों और चुनौतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। एक मुख्य आकर्षण स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) की उनकी समीक्षा थी, जहां उन्होंने इसके अभिनव दृष्टिकोण, उपयोगकर्ता अनुकूल इंटरफेस और भारत के कौशल इकोसिस्टम में परिवर्तन लाने की संभावनाओं की प्रशंसा की।

3. स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों का सम्मान: - 22 जून, 2024 को केंद्रीय मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने एनएसडीसी और एनएसडीसी इंटरनेशनल द्वारा स्किल इंडिया इंटरनेशनल पहल के अंतर्गत बी1 स्तर की जर्मन भाषा प्रशिक्षण पूरा करने के लिए 32 स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जर्मनी में करियर के लिए भारतीय नर्सों को तैयार करना है, जो भारत को कुशल प्रतिभाओं के लिए वैश्विक केंद्र बनाने हेतु सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। इसमें जर्मन राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन भी शामिल हुए, जिन्होंने जर्मनी के कौशल अंतर को दूर करने में भागीदारी संबंधी सफलता की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम का समापन मंत्री और गण्यमान्य व्यक्तियों द्वारा उम्मीदवारों की जर्मनी यात्रा को हरी झंडी दिखाने के साथ हुआ, जो भारतीय युवाओं की वैश्विक नियोजनीयता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

4. कृत्रिम कौशल प्रशिक्षण पैकेज (कौशल ई-लैब) के निर्माण परियोजना का कार्यान्वयन:- यह मंत्रालय, राष्ट्रीय अनुदेशात्मक मीडिया संस्थान (निमी) के माध्यम से अमृता विश्व विद्यापीठम के साथ भागीदारी में, संकल्प कार्यक्रम के आन्तर्गत व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी)

के लिए कृत्रिम कौशल प्रशिक्षण पैकेज (कौशल ई-लैब) के निर्माण परियोजना को कार्यान्वित कर रहा है। ई-कौशल प्रयोगशालाएं आईटीआई में पेश किए जाने वाले सौर तकनीशियन और इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक ट्रेडों को कवर करेंगी। प्रयोगशालाओं की सामग्री में छः प्रदर्शन वीडियो, छः सिमुलेशन अभ्यास, दो संवर्धित वास्तविकता अभ्यास और एक वर्चुअल वास्तविकता अभ्यास शामिल हैं। यह सामग्री अंग्रेजी और हिंदी में उपलब्ध होगी। ई-सामग्री की प्रभावशीलता को वैध करने और छात्रों और प्रशिक्षकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए 10 से 21 जून 2024 के दौरान आईटीआई झज्जर और एनएसटीआई मुंबई में प्रायोगिक प्रदर्शन किए गए। इसके अलावा आईटीआई, बिचोलिम और एनएसटीआई, देहरादून में 24 जून 2024 से 10 दिवसीय प्रायोगिक प्रदर्शन आरंभ किए गए।

5. "समावेशी अकादमी प्रशिक्षक और मास्टर प्रशिक्षक प्रशिक्षण" परियोजना का कार्यान्वयन:- यह मंत्रालय दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कौशल परिषद (एससीपीडब्ल्यूडी) के सहयोग से पात्र दिव्यांगजनों को अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षक के रूप में विकसित करने हेतु "समावेशी अकादमी प्रशिक्षक और मुख्य प्रशिक्षक प्रशिक्षण" परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है। इस परियोजना में 150 दिव्यांग पेशेवरों को प्रशिक्षक और 25 पेशेवरों मुख्य प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है और इस परियोजना से अनुभव के आधार पर विशेष रूप से दिव्यांग प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए एक विशेष प्रशिक्षक अकादमी विकसित की जाएगी। 30 जून 2024 तक 25 के लक्ष्य के तुलना में कुल 16 मुख्य प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जबकि 150 के लक्ष्य के तुलना में 119 दिव्यांग प्रशिक्षकों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया है। इसमें जून 2024 माह में 20 दिव्यांग प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण तथा प्रमाणन प्रदान किया जाना शामिल है।

6. "जीविका" का कार्यान्वयन:- यह मंत्रालय मोटर वाहन कौशल विकास परिषद (एएसडीसी) और हीरो मोटोकॉर्प के साथ भागीदारी में संकल्प के अंतर्गत एक परियोजना "जीविका" को कार्यान्वित कर रहा है, जिसका उद्देश्य बीएस VI तकनीक के अनुसार नौ कौशल विकास केंद्रों (एसडीसी) में प्रशिक्षण के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और दो तथा तीन पहिया वाहनों के रख-रखाव और मरम्मत पर अल्पावधि कौशल प्रशिक्षण देना है। इस पहल के परिणामों में पांच मौजूदा एसडीसी का आधुनिकीकरण, चार नए एसडीसी की स्थापना और 720 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण देना शामिल है। यह प्रशिक्षण स्थानीय गैरेजों के श्रमिकों को प्रदान किया जाएगा, जिनके पास नवीनतम बुनियादी ढांचे और उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण तक पहुंच नहीं है। 30 जून 2024 तक, नौ प्रशिक्षण केंद्रों का उन्नयन किया गया है, सोलह बैचों का आयोजन किया गया है, जिनमें 303 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है, 285 को प्रमाणित किया गया है और 178 को जॉब प्राप्त हो गई है।

7. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह: 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, इस मंत्रालय और इसके सहयोगी संगठनों द्वारा 21 जून, 2024 को कौशल भवन, नई दिल्ली में योग शिविर का आयोजन किया गया।

8. पीएम विश्वकर्मा स्कीम की स्थिति:-

• पीएम विश्वकर्मा स्कीम के अंतर्गत प्रशिक्षण देने के लिए पूरे देश में 228 प्रशिक्षण केंद्र (टीसी) शुरू किए गए हैं।
• 24 राज्यों, 245 जिलों और 15 ट्रेडों में आधारभूत कौशलीकरण के लिए 76,312 उम्मीदवारों को नामांकित किया गया है।
• 24 राज्यों, 235 जिलों और 15 ट्रेडों में 66,801 उम्मीदवारों ने आधारभूत कौशलीकरण प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, जबकि 9,255 का प्रशिक्षण जारी हैं और पूरा होने की उम्मीद है।
• 24 राज्यों, 229 जिलों और 15 ट्रेडों में 53,872 उम्मीदवारों को प्रमाणित किया गया है।
• कुल 1,21,676 पुस्तकें (प्रशिक्षु पुस्तिका-60755, टूलकिट पुस्तिका-60755, प्रशिक्षक पुस्तिका-166) प्रशिक्षण केंद्रों में वितरित/भेजी गई हैं।
• प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी), एमएसडीई के क्षेत्रीय निदेशालय, राज्य सहभागिता अधिकारियों (एसईओ) और जिले के अधिकारियों सहित हितधारकों के साथ पीएम विश्वकर्मा स्कीम पर 20 से अधिक उन्मुखीकरण-सत्र आयोजित किए गए।

9. बैठकें, प्रशिक्षण और कार्यशालाएं:-

i. शिक्षुता प्रशिक्षण स्थिति: वर्तमान वित्त-वर्ष 2024-25 के दौरान कार्यरत शिक्षुओं की संख्या 30 जून 2024 तक 1,81,972 है। 30 जून 2024 तक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षुओं की कुल संख्या 7.7 लाख है। 30 जून 2024 तक शिक्षुओं को नियुक्त करने वाले प्रतिष्ठानों की कुल संख्या 46,764 है।

ii. डीबीटी की स्थिति: डीबीटी को 11 अगस्त, 2023 को राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन स्कीम (एनएपीएस) के अंतर्गत शुरू किया गया था। डीबीटी के माध्यम से भाग लेने वाले शिक्षुओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है और जुलाई 2023 (1,67,988) से जून 2024 (2,35,301) तक इसमें वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान, डीबीटी के माध्यम से शिक्षुओं को 384.96 करोड़ रुपए की राशि का भारत सरकार का शेयर वितरित किया गया है।

iii. विश्व पर्यावरण दिवस:- असम के प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन के अंतर्गत प्रधानमंत्री वन धन योजना के अध्यधीन वीडीवीकेसी के लाभार्थियों ने अपने वीडीवीकेसी परिसर में वृक्षारोपण करके 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया है।

iv. पीएम-जनमन:- त्रिपुरा राज्य के लिए पीएम-जनमन के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम 13 वीडीवीके में आयोजित किए गए, जिसमें 946 लाभार्थी शामिल हुए।

v. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत पीएमकेवीवाई 4.0 के लिए संचालन समिति की दूसरी बैठक 12 जून, 2024 को आयोजित की गई। 01 से 30 जून, 2024 तक पीएमकेवीवाई 4.0 स्कीम के अंतर्गत प्रशिक्षित/उन्मुख उम्मीदवारों की कुल संख्या 2,36,773 है।

10. परिचालन दक्षता: उपर्युक्त पहलों के अतिरिक्त, सभी कार्यों के शीघ्र निपटान में अत्यधिक तत्परता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए अनेक आंतरिक उपायों के माध्यम से कार्य निष्पादन को युक्तिसंगत बनाने की मौजूदा प्रक्रिया जारी रही।

*****